सांस्कृतिक कार्यक्रम के उद्देश्य :-

सांस्कृतिक कार्यक्रम के निम्नलिखित उद्देश्य है -

(i) सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों के सामाजिक मानसिक, शारीरिक, बौद्धिक एवं नैतिक क्षमताओं का विकास करती है।

(ii) इस कार्यक्रम के द्वारा बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है।

(iii) इसके द्वारा बच्चों में चारित्रिक विकास होता है, नाटक, भजन, गीत, कविता आदि में महापुरुषों के चरित्र का वर्णन होता है जिससे सारी इच्छाओं की पूर्ति होती है।

(iv) सांस्कृतिक कार्यक्रम से सहानुभूति एवं प्रेम की भावना का विकास होता है।

(v) इससे व्यवहारिक कुशलता आती है।

(vi) इसका मुख्य उद्देश्य अपनी अमूल्य संस्कृति या संस्कृति धरोहरों को अपनी आनेवाली पीढ़ी तक पहुँचाना है

(vii) इससे विद्यार्थियों में सहकारिता की भावना का विकास होता

(viii) सांस्कृतिक कार्यक्रम से सामाजिक कुशलता का विकास होता है।

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

संस्कृति के (पक्ष में) :-

(I) संस्कृति आत्मा की वह नैतिक शक्ति है जो समस्त अच्छी वस्तुओं का सार ग्रहण करने में मानव की सहायता करती है। एक सशक्त एवं सुसंस्कृत मानव ही समाज में एक आदरणीय माना जाता है। और मानव को यह आदर करने में उसके अपने विचारों व आचरणों आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

(II) संस्कृति ही इस दिशा की ओर अग्रसित करती है।

संस्कृति (विपक्ष में) :-

(I) यदि बालक को संस्कृति के दायरे में ही संकुचित कर दिया जाएगा तो वह अपनी रचनात्मक क्षमता का विकास नहीं कर पायेगा।

(II) यदि शिक्षा के इस उद्देश्य पर अत्यधिक बल दिया जाएगा तो बालक केवल दिखाने मात्र के लिए ही संस्कृति के मूल्यों के वर्णन करते हैं क्योंकि व्यक्तिगत इच्छाओं एवं भावनाओं पर हावी हो जाती है।

PRINCIPAL
St Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

Co-ordinator
SPTTC, Samastipur (Bihar)

सांस्कृतिक क्रियाओं के प्रकार

सांस्कृतिक क्रियाओं के निम्नलिखित प्रकार हैं -

(i) **एकल गायन** - इसमें एक व्यक्ति के द्वारा किसी भी गीत को गाया जाता है।

(ii) **सामूहिक गायन** - इसमें किसी भी कहानी या घटना को कुछ व्यक्तियों के द्वारा प्रस्तुत किया जाता है।

(iii) **निबंध लेखन** → इसमें किसी भी विषय पर बच्चों को दिया गया लिखित कार्य होता है। जिसमें वह अपना पक्ष रखते हैं।

(iv) **एकल नृत्य** :- इसमें एक व्यक्ति के द्वारा किसी भी गाने पर अकेले नृत्य प्रस्तुत किया जाता है।

(v) **सामूहिक नृत्य** :- इसमें 2-4 या इससे भी अधिक व्यक्तियों के द्वारा सामूहिक गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया जाता है।

(vi) **चित्रकला** → ये बच्चों को अपने अंदर की अभिव्यक्ति या इच्छा को व्यक्त करने का माध्यम है जो किसी पेज पर रंगों के रूप में चित्रांकित किया जाता है।

IQAC
Co-ordinator
SPTTCE, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Dhahuri, Samastipur

विद्यालयों में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का वि[illegible] विवरण।

मैं शिवानी कुमारी विद्यालय सहायिका कार्यक्रम के अंतर्गत चार माह के लिए राजकीय एस. आई. के एस. डी बालिका उच्च विद्यालय [illegible] समस्तीपुर में कार्यरत रही। जहाँ हमने 9वीं एवं 10वीं की छात्राओं के मध्य बहुत सारे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करवाया। जो उस विद्यालय के लिए एवं वहाँ के छात्रों के लिए बहुत प्रभावपूर्ण रहा। बच्चों ने बढ़-चढ़कर इसमें भाग लिया। एवं उत्साहपूर्ण ढंग से हमें सहयोग किया।

हम सभी छात्राध्यापकों ने इस विद्यालय में कई कार्यक्रम करवाएँ जिसका विवरण निम्नलिखित है।

(I) अंतराक्षी
(II) एकल गायन
(III) निबंध लेखन
(IV) तार्किक शक्ति परीक्षण
(V) कविता - पाठ

अंतराक्षी

अंतराक्षी मनोरंजन प्राप्ति का एक स्रोत है यह आनंद की विवरित करता है। इसमें एक व्यक्ति के द्वारा गाये गए गाने के अंतिम शब्द से दूसरे व्यक्ति को गाना सुनाना पड़ता है और इसी प्रकार यह प्रक्रिया चलती रहती है।

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

(5) इसमें बालिका की मानसिक क्षमता विकसित एवं मानसिक सुख की अनुभूति होती है।

मैं अपने विद्यालय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अपने विद्यालय में अंतराक्षी करवायी जिसमें कक्षा की कुल 20 बच्चों ने भाग लिया। इस अंतराक्षी करवायी जिसमें कक्षा की कुल 20 बच्चों ने भाग लिया। इस अंतराक्षी प्रतियोगिता के दौरान इन बच्चों को ग्रुप 'A' और ग्रुप 'B' में 10-10 सदस्यों में बाँट दिया गया था।

कार्यक्रम का नाम - अंतराक्षी
संचालिका का नाम - ~~[illegible]~~ (भारती) कुमारी
सह संचालिका का नाम - रूपा कुमारी

जज का नाम - (i) नम्रता नेहा
(ii) मधु कुमारी
(iii) कुसुम कुमारी

कक्षा - 9th
उपस्थित छात्रों की संख्या - 40
प्रतिभागी छात्रों की संख्या - 30

विजेता ग्रुप का नाम - 'B'

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

स्कूल गायन

"एकल गायन" में किसी भी एक व्यक्ति द्वारा गाया गाना को प्रदर्शित करना होता है। किसी भी समारोह प्रतियोगिता आदि में व्यक्ति द्वारा एक प्रदर्शन चाहे वह गायन, नृत्य कोई भी हो। वह व्यक्ति के अंदर आत्मविश्वास और मनोबल आदि को बढ़ाता है।

इस प्रकार के कला के विद्यार्थी द्वारा प्रदर्शन से मनोरंजन एवं वातावरण में ताजगी आती है इसी लिए विद्यालय पाठ्यक्रम में सप्ताह के अंतिम दिन मनोरंजनात्मक कार्यक्रम का Period रखा गया है जो बालकों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होती है।

विद्यालय में प्रशिक्षुओं द्वारा दिनांक को एकल गायन का आयोजन कक्षा में हुआ।

कार्यक्रम का नाम - एकल गायन
छात्राध्यापिका का नाम - शिवानी कुमारी
सहसंचालक का नाम - नम्रता नेहा

जज का नाम - (i) कुसुम कुमारी
(ii) नम्रता नेहा
(iii) मधु कुमारी

कक्षा 10th
उपस्थित छात्राओं की संख्या - 35
प्रतिभागी छात्राओं की सं० - 30

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

विजेता - (i) प्रीति कुमारी
(ii) पूजा कुमारी
(iii) स्वाति कुमारी

निबंध लेखन

शीर्षक : पर्यावरण

निबंध लेखन बालकों की मानसिक चेतना सोचने विचारने की क्षमता एवं शब्द भण्डार को विकसित करती है। निबंध लेखन के लिए सबसे आवश्यक यह है कि सभी बालक निबंध के शीर्षक से भली भाँति परिचित हो तथा सभी बालक उसके संबंध में कुछ न कुछ लिख पायेंगे। बालक उस शीर्षक से संबंधित जो कुछ भी सीखते है, वह उचित हो जिससे शिक्षक को उस पर अंक देने में कठिनाई न हो।

हम प्रशिक्षु द्वारा विद्यालय में 13/3/23 को कक्षा पंचम में निबंध लेखन करवाया गया। जिसमें 16 बच्चों ने भाग लिया।

प्रथम तीन विजेता का नाम - (i) श्रेया कुमारी
(ii) प्रीति कुमरी
(iii) गौतमी कुमारी

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Biraingipur
Jhahuri, Samastipur

तार्किक शक्ति परीक्षण

इस तार्किक शक्ति परीक्षण में हमारे द्वारा प्रत्येक बच्चों से General knowledge का 25-25 प्रश्न पूछे गए। इसमें जो बच्चा ज्यादा जवाब दिया उसे पुरस्कार दिया गया।

General knowledge के अंतर्गत बच्चों को उसी के कक्षा के विषयों की पूरी तैयारी को मुख्य स्त्रोत बनाया गया ताकि वह अपने विषय की विषय वस्तु पर पकड़ मजबूत कर सके।

तार्किक शक्ति परीक्षण कार्यक्रम को रखा गया। जिसमें 30 बच्चे 11/10/22 उपस्थित थे। जिसमें 20 बच्चों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का नाम - तार्किक शक्ति परीक्षण
छात्राध्यापिका का नाम - शिवानी कुमारी
सह- संचालिका का नाम - मधु कुमारी

दिनांक - 11/1/23

जज का नाम - आँचल कुमारी
- नम्रता नेहा
- मधु कुमारी

IQAC
Co-orrinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

कक्षा 10th

उपस्थित छात्रों की संख्या - 30
प्रतिभागी छात्रों की संख्या - 15

विजेता - अंजली कुमारी
- शिवानी कुमारी
- सीमा कुमारी

सांस्कृतिक कार्यक्रम के लाभ हानि

सांस्कृतिक कार्यक्रम के निम्नलिखित लाभ है।

(i) बालक के अंदर सकारात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करना।

(ii) बालक के अंदर मानसिक, शारीरिक और सृजनात्मकता की क्षमता का विकास।

(iii) बालक के अंदर कला के प्रति रुचि जागृत करना।

(iv) बालकों को अपने जीवन के लक्ष्य की ओर बढ़ने में सहायक है।

(v) बालकों के अंदर कल्पनाशक्ति का विकास करना।

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Bhahuri, Samastipur

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के निम्नलिखित हानि है —

→ यह कभी-कभी लोगों के मानसिकता को संकुचित कर देती है।

→ प्रत्येक बच्चों को रोकना भी उसके भविष्य को बिगाड़ सकता है।

निष्कर्ष →

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वारा किसी भी स्थान का वातावरण मनोरंजनात्मक हो जाता है चाहे वह देश शहर या गाँव हो। गाँवों के विद्यालयों में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम बालकों को प्रत्येक क्षेत्र के लिए तैयारी करती है। इसके द्वारा बालकों का सामाजिक मानसिक, शारीरिक एवं सृजनात्मक क्षमता का विकास होता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत नाटक, गायन, कविता, पाठ, नृत्य, चित्रकला लेखन आदि आते हैं। यह बालक के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। बालक कविता पाठ एवं लेखन में अपनी मानसिक क्षमता का विकास करते हैं। नये-नये शब्दों को सृजन कर उपयोग करते हैं। जिससे उनके शब्दकोष में वृद्धि होती है।

IQAC
Co-ordinator
... Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

समुदाय का अर्थ, परिभाषा व महत्व :-

समुदाय अंग्रेजी भाषा में Community कहलाता है जो Cum व munis दो शब्दों से मिलकर बना है Cum का अर्थ एक साथ तथा munis का अर्थ सेवा करना होता है। इस प्रकार समुदाय का अर्थ व्यक्तियों का आस - पड़ोस है जिनमें वे रहते हैं।

परिभाषा :-

* मैकाइवर तथा पेज के अनुसार :- "समुदाय सामाजिक जीवन के उस क्षेत्र को कहते हैं जिसे सामाजिक सम्बद्धता अथवा सामंजस्य की कुछ मात्रा द्वारा पहचाना जा सके।"

* ग्रीन के अनुसार :- "व्यक्तियों का वह समूह जो जीवन की सामान्य ढंग को अपनाते हैं एक स्थानीय क्षेत्र समुदाय है।"

Working with Community की अवधारणा :-

सामाजिक विकास में रुचि लेने वाली सभी व्यक्तियों को इसके अर्थ को समझे बिना इस योजना के कार्यक्षेत्र तथा सार्थकता के विषय में समुचित ढंग से नहीं समझाया जा सकता।

समाज शास्त्रियों के दृष्टिकोण से सामुदायिक कार्यक्रमों को केवल सामुदायिक विकास की एक योजना मात्र ही

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

नहीं समझा जा सकता है बल्कि यह स्वयं में एक विचारधारा व संरचना है। अर्थात यह विचारधारा के रूप में ऐसा कार्यक्रम है जो व्यक्तियों को समाज के प्रति अनेक उनके उत्तरदायित्व का बोध कराता है तथा एक संरचना के रूप में विभिन्न क्षेत्रों व उनके आपसी पारस्परिक प्रभावों को स्पष्ट करता है।

भारतीय संदर्भ में सामुदायिक कार्यक्रम से तात्पर्य एक ऐसी पद्धति से है जिसके द्वारा समाज की संरचना, आर्थिक साधनों, नेतृत्व के स्वरूप तथा जन-सहभाग के बीच सामंजस्य स्थापित करते हुए समाज के चतुर्दिक विकास का प्रयत्न किया जाता है।

सामुदायिक कार्यक्रम का अर्थ :-

"सामुदायिक कार्यक्रम एक ऐसा कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य संपूर्ण समुदाय के लिए उच्चतर जीवन स्तर की व्यवस्था करना है और इस कार्य में प्रेरणा-शक्ति समुदाय की ओर आनी चाहिए तथा प्रत्येक समय इसमें जनमानस का सहयोग होना चाहिए।"

"योजना आयोग के प्रतिवेदन में सामुदायिक कार्यक्रम के अर्थ को स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि जिसके द्वारा न्यूनतम साधनों की खोज करके समाज के सामाजिक जीवन आर्थिक जीवन-स्तर को ऊँचा उठाया जाता है।"

सामुदायिक कार्यक्रम का उद्देश्य :-

सामुदायिक कार्यक्रम

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsingpur
Jhahuri, Samastipur

का मुख्य उद्देश्य जन साधारण के जीवन का सर्वांगीण विकास करना है। ग्रामीण समुदाय की प्रगति एवं श्रेष्ठतम जीवन - स्तर के पथ को प्रदर्शित करना है। इस रूप में सामुदायिक कार्य के उद्देश्य इतने व्यापक है कि इनकी कोई निश्चित सूची बनाना अत्यंत कठिन कार्य है। सामुदायिक कार्यक्रम के महत्वपूर्ण उद्देश्य निम्नलिखित है —

→ समाज में एक मनोवैज्ञानिक परिवर्तन लाना ताकि समाज की नवीनतम आकांक्षाओं, प्रेरणाओं, प्रविधियों एवं विश्वासों को ध्यान में रखते हुए मानव शक्ति के विकास में सुधार लाना।

→ देश का कृषि उत्पादन प्रचुर मात्रा में बढ़ाने का प्रयास करना, संचार सुविधाओं का विस्तार, शिक्षा का प्रचार - प्रसार सामाजिक स्वास्थ्य और सफाई की दशाओं में सुधार करना।

→ समाज में सामाजिक व आर्थिक जीवन के आधार के सुधार हेतु सुव्यवस्थित रूप से सांस्कृतिक परिवर्तन की प्रक्रिया का प्रारंभ करना।

→ उत्तरदायी व कुशल नेतृत्व का विकास करना।

→ संपूर्ण जन साधारण को आत्मनिर्भर व प्रगतिशील बनाना।

→ सामाजिक व आर्थिक स्तर को ऊँचा उठाने के लिए आधुनिकीकरण को बढ़ावा देना।

IQAC
Co-ordinator

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के प्रमुख उद्देश्य

i) पक्षपाती लिंग चुनाव की प्रक्रिया का उन्मूलन व लिंग भेद की समस्या का निराकरण करना
ii) बालिकाओं का अस्तित्व व सुरक्षा सुनिश्चित करना
iii) बालिकाओं की शिक्षा सुनिश्चित करना।
iv) समाज में महिलाओं व लड़कियों को स्वतंत्रता व समानता का अधिकार दिलाना।

योजना के संघटक :-

1 बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर जनसंचार अभ्यास :

* देश व्यापी कार्यक्रम के रूप में प्रारंभ होगा जिससे बालिका के जन्म को जश्न के रूप में मनाने के साथ शिक्षा ग्रहण करने में सक्षम बनाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य लड़कियों का जन्म, पोषण आदि शिक्षा बिना किसी भेदभाव के हो तो समान अधिकारों के साथ देश की सशक्त नागरिक बने।

राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के निम्न लिंगानुपात वाले सो कई बहुपक्षीय शुरुआत संदर्भित क्षेत्रों राज्यों व जिलों में सुनिश्चित परिणाम प्रेषित और संकेतनों को एक साथ प्रयोग में लाया जाता है।

~~स~~ सोशल मीडिया का सहयोग :- बच्चों के

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

लिंगानुपात के मुद्दे पर प्रासंगिक विडियो के साथ BBBB पर एक youtube channel शुरू किया गया है व कई कुई विडियो आदि के माध्यम से जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया गया है तथा जनभागीदारी को प्रोत्साहन व समन्वय हेतु MY GOV. पोर्टल से लोगों को जोड़ा जा रहा है।

योजना हेतु बजट का आवंटन :-

इस योजना के अंतर्गत 100 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है 12 वीं पंचवर्षीय योजना में बालिकाओं की देखभाल व सुरक्षा हेतु A Multisectoral कार्य योजना के अंतर्गत रुपये जुटाए जाएंगे तथा अतिरिक्त संसाधन राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर कॉर्पोरेट व सामाजिक दायित्व के माध्यम से जुटाए जाएंगे।

विद्यालय में क्रिया का प्रबंधन :-

इस अभियान के प्रति छात्रों में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए हमने एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें इस योजना के बारे में छात्रों की जानकारी व बेटियों व महिलाओं को जागरूक किया।

क्रिया का छात्रों पर प्रभाव :-

i) कन्या भ्रूण हत्या से संबंधित आँकड़ों के प्रति सचेत हुए।

IQAC
Co-ordinator
Co-ordinator (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

ii) लिंग समानता के प्रति जागरूकता का प्रसार।
iii) लिंग भेदभाव के दुष्प्रभावों की जानकारी।
iv) बेटियों को पढ़ाने हेतु जागरूकता की भावना का विकास।

सुझाव :- "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ" अभियान कॉलेज, स्कूलों के माध्यम से चलाए जाए। जिसमें भावी पीढ़ी में उचित अभिवृत्ति का विकास हो सके।

Activity - 2

"स्वच्छ भारत अभियान"

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल व गाँधी जी के "स्वच्छ भारत सुंदर भारत" को साकार करने के लिए "स्वच्छ भारत अभियान" भारत सरकार द्वारा आरंभ किया गया जो कि राष्ट्रीय स्तर का अभियान है जिसका उद्देश्य गलियों, सड़कों तथा अन्य संस्थानों को साफ-सुथरा रखना और कूड़ा साफ करना है। इस अभियान की शुरुआत से "2 October 2014" को राष्ट्र पिता महात्मा गांधी ने देश को गुलामी से मुक्त कराया था। परंतु स्वच्छ भारत का उनका सपना आज भी आजादी के 70 वर्ष बाद नहीं हो सका। इस मिशन को बापू की 150 वीं पुण्य तिथि (2 October 2019) तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

अभियान का उद्देश्य :-

इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य कलस्टर और सामुदायिक शौचालयों के निर्माण करके खुले में शौच से मुक्त भारत को हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है।

शहरी क्षेत्रों के लिए स्वच्छ भारत अभियान :-

इस अभियान का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में 1.04 करोड़ परिवारों को लक्षित करते हुए 2.5 लाख सामुदायिक शौचालयों का निर्माण करना। 2.6 लाख सार्वजनिक शौचालयों और प्रत्येक शहर में एक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की सुविधा प्रदान करना है, इस कार्यक्रम के तहत आवास क्षेत्रों में जहाँ व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण पर्यटन स्थलों, बाजारों, बस स्टॉप, रेलवे स्टेशन जैसे प्रमुख स्थानों पर सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण किया जाएगा। यह कार्यक्रम 5 साल की अवधि में 4401 शहरों में लागू किया जाएगा। कार्यक्रम पर खर्च किये जाने वाले 62009 करोड़ रुपये केंद्र सरकार 14623 करोड़ रुपय उपलब्ध कराएगी। केंद्र सरकार द्वारा प्राप्त 14623 Cr Rs। में से - 7366 Cr Rs। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर 4165 Cr Rs। व्यक्तिगत घरेलू शौचालय पर 1828 Cr Rs। जन जागरूकता व 655 Cr Rs। - सामुदायिक शौचालय बनवाने पर खर्च किए जाएंगे।

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, S... (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ भारत अभियान :-

निर्मल भारत अभियान कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में लोगों के लिए मांग आधारित व जन केंद्रित अभियान है जिसमें लोगों की स्वच्छता संबंधी आदतों को बेहतर बनाना एवं सुविधाओं की मांग उत्पन्न करना तथा ग्रामीण जीवन को ऊपर उठाने का प्रयास करना है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 11 करोड़ 11 लाख शौचालयों के निर्माण के लिए 1 लाख 34 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

अभियान के एक भाग के रूप में प्रत्येक पारिवारिक इकाई के अंतर्गत व्यक्तिगत घरेलु शौचालयों की इकाई लागत को 10000 RS/- से बढ़ाकर 12000 RS/- कर दिया जाएगा। इस तरह के शौचालय में 4000/Rs केंद्र सरकार व 3000/-Rs राज्य सरकार की तरफ से प्राप्त होगा। जम्मू कश्मीर व उत्तर पूर्वी राज्यों व विशेष दर्जा प्राप्त राज्यों को मिलने वाली सहायता 10800/RS- होगी जिसमें 7200 RS/- राज्य का योगदान होगा।

चयनित सार्वजनिक व्यक्ति :-

मोदी जी ने इस अभियान के प्रचार करने के लिए 11 लोगों को चुना है -

1. सचिन तेंदुलकर
2. प्रियंका चोपड़ा
3. अनिल अम्बानी
4. बाबा रामदेव
5. शशि थरूर
6. सलमान खान

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

7. तारक मेहता की टीम
8. मृदुला सिंह
9. कमल हसन
10. विराट कोहली
11. महेंद्र सिंह धोनी

विद्यालय में क्रिया प्रबंधन :-

समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए हमने विद्यालय में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया। छात्रों की स्वच्छता के प्रति जागरूक किया व अपने - अपने अनुभव साझा किया। इसके पश्चात सभी को विद्यालय व अपने आस - पास सफाई रखने की आदत दिलायी।

क्रिया का प्रभाव :-

i) सभी छात्र अपनी - अपनी कक्षा विद्यालय व आस - पास के स्वच्छता के प्रति जागरूक हुए।
ii) छात्रों ने अपने जीवन में स्वच्छता के महत्व को समझा।
iii) छात्रों ने स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता की अनिवार्यता को समझा।

सुझाव :-

यद्यपि राज्य व केंद्र सरकार स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए अनेक प्रकार के कार्यक्रम चला रही है परंतु जन - साधारण को भी अपने स्तर पर इसके लिए प्रयास करने की आवश्यकता है।

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Jhahuri, Samastipur

Activity - 3

ग्रीन इंडिया योजना (Green India Mission) :-

भारत के समक्ष जलवायु परिवर्तन के वैश्विक खतरे से निपटने के साथ - साथ तेजी से विकसित हो रही अपनी अर्थव्यवस्था को बनाए रखने की भी चुनौती है। दीर्घकाल से मानव जाति ग्रीन हाउस गैसों का वातावरण में संचित होने, तीव्र औद्योगिक प्रगति और विकसित देशों में उच्च खपत, जीवन शैलियों के कारण यह खतरा उत्पन्न हुआ है।

हालांकि भारत द्वारा जलवायु परिवर्तन के प्रति स्वयं को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर सामुहिक सहयोगात्मक ढंग से इस खतरे को सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है। फिर भी भारत के द्वारा जलवायु परिवर्तन के प्रति स्वयं को अनुकूलित करने और विकास पथ की पारिस्थितिकी निरंतरता को बनाए रखने हेतु 30 जून 2008 को जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना जारी किया गया। इसके तहत 80 राष्ट्रीय विद्वानों को राष्ट्रीय मिशन को शामिल किया गया जो इस प्रकार के है -

1) राष्ट्रीय सौर मिशन
2) राष्ट्रीय संवर्धित ऊर्जा बचत मिशन
3) राष्ट्रीय सतत् पर्यावास मिशन
4) राष्ट्रीय जल मिशन
5) राष्ट्रीय हरियाली प्ररिप्रणाली परीक्षण मिशन

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

6) राष्ट्रीय ग्रीन इंडिया मिशन
7) राष्ट्रीय सतत् कृषि मिशन
8) राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्यनितिक ज्ञान मिशन

ग्रीन इंडिया मिशन :- "20 फरवरी 2011 को केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक कार्य समिति द्वारा केंद्र प्रयोजित योजना के क्षेत्र में राष्ट्रीय ग्रीन इंडिया मिशन को मंजूरी प्रदान की गई है। इसका लक्ष्य भारत में घटते वन क्षेत्र का संरक्षण पुर्ननवीनीकरण और वन क्षेत्र में वृद्धि करना है। साथ ही अनुकूलन का समान उपायों द्वारा जलवायु परिवर्तन का सामना करना है। इसके लिए हरियाली के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की कल्पना की गयी है साथ ही कई पारिस्थितिक तंत्र सेवाओं विशेष रूप से जैव - विविधता, जल, बायोमास, मैंग्रोव संरक्षण झीलों, संकटग्रस्त प्रवासों आदि पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया गया है। इस मिशन के अंतर्गत योजना बनाने, निर्णय लेने, क्रियान्वयन व निगरानी में स्थानीय समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका है।

राष्ट्रीय ग्रीन इंडिया मिशन की कार्यान्वयन अवधि 12वी व 13वी पंच - वर्षीय योजना के दौरान 10 वर्ष की होगी। इस मिशन के लिए वितीय सहायता योजना व्यय और मनरेगा गतिविधियों प्रति-पूरक वनीकरण कोष प्रबंधन एव योजना को मिलने के जरिए प्रबंध तथा राष्ट्रीय कार्य योजना को मिलने के जरिए जुटायी जाएगी। पूर्वोत्तर राज्य के लि

IQAC Co-ordinator SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Biringhpur
Jhahuri, Samastipur

योजना व्यय 90% खर्च केंद्र व राज्य के खर्च का अनुपात 75 : 25 होगा। संपूर्ण मिशन की लागत 46000 Cr Rs/- आंकी गयी।

Green India Mission के उद्देश्य :-

i) 5 मिलियन वन और वन भूमि पर वृक्षारोपण में वृद्धि हेतु और अन्य 5 मिलियन हेक्टेयर में वनाच्छादन की गुणवत्ता में सुधार करना।

ii) उपर्युक्त 18 मिलियन हेक्टेयर वन क्षेत्र के प्रबंधन के परिणामस्वरूप जब विविधता संबंधी क्षेत्र सेवाओं और कार्बन पृथक्करण में 50 - 60 मिलियन टन की वृद्धि करना।

iii) वन व उसके आस-पास रहने वाले 3 मिलियन परिवारों की वन आधारित आजीविका में वृद्धि करना वर्ष 2020 में वार्षिक CO_2 पृथक्करण में 50-50 मिलियन टन में वृद्धि करना।

iv) बायोमास आधारित प्रणाली व बेहतर स्टॉक जैसे वैकल्पिक ऊर्जा उपलब्ध कराने हेतु मंजूरी प्रदान की गई।

v) इस पहलू में वनों पर दबाव घटाने कार्बन लाभ और स्वास्थ्य एवं अन्य संबंधित लाभों को घटाने में मदद मिलेगी।

विद्यालय में क्रिया प्रबंधन :- इस विषय पर विद्या

IQAC
Co-ordinator
[illegible], Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

में विचार गोष्ठी आयोजित की गई जिसमें विभिन्न चित्रों व आँकड़ों आदि के माध्यम से विश्व में घटती वनों की संख्या के विषय में जागरूक किया गया। इसके पश्चात छात्रों को वनों की संख्या के विषय में जागरूक किया गया। इसके पश्चात सभी ने मिलकर विद्यालय में एक चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

क्रिया का प्रभाव :-

i) छात्रों में अपने पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संचार हुआ।
ii) वृक्षारोपण के प्रति उत्साह स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है।

सुझाव :-

i) स्थानीय स्तर पर इस संबंध में वृक्षारोपण अभियान चलाया जाए व लोगों को इसके प्रति जागरूक किया जाए।

ii) विशेष अवसरों पर सभी सार्वजनिक स्थानों पर जहाँ भूमि खाली हो राष्ट्रीय पार्क आदि में वृक्षारोपण किया जाए।

iii) वृक्षों के महत्व के विषय में स्कूलों व कालेजों में बताया जाए।

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birshinghpur
Jhahuri, Samastipur

Make in India :-

Meaning :-

मेक इन इंडिया का अर्थ है सामान की वस्तुएँ भारत में ही बनायी गयी। जिस देश में रोजगार के अवसर पैदा हो। इस योजना का मतलब है "मेड इन इंडिया" जिसका हिन्दी में अर्थ है जिन वस्तुओं का निर्माण हमारे देश India में किया गया हो। वस्तुएं जब भारत में ही बनने लगेंगी तो इनका आयात कम होगा और अगर वस्तुओं का निर्माण हमारे देश में होगा तो अन्य देशों में वस्तुओं का निर्यात करने की संभावना बढ़ेगी जिससे देश की विदेशी आय बढ़ेगी और देश प्रगति की ओर अग्रसर होगा। मेक इन इंडिया का एक और मकसद ये भी है कि पूरे विश्व के प्रमुख निवेशकों के लिए इस अभिमान के तहत इन्हें ये विश्वास दिलाना है कि भारत आओ और यहां के उत्पादों के निर्माण के द्वारा अपने व्यापार को बढ़ाओ। एक रिपोर्ट के अनुसार योजना के लागू होते ही अमेरिका व चीन से बहुत प्रतिक्रिया मिली और FDI (Foreign Direct Investment) द्वारा 2015 में 63 बिलियन डॉलर इनवेस्टमेंट के तौर पर भारत को मिले।

प्रधानमंत्री मोदी ने Make in India की सुरुआत 25 Sep 2014 को दिल्ली के विज्ञान भवन में की। जिसका उद्देश्य विदेशी व देश भर की बड़ी कंपनियों को भारत देशी में Investment करने के लिए प्रोत्साहित करना है। जिससे रोजगार के बेहतरीन अवसर प्रदान हो और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की एक अलग पहचान बन सके।

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

Objectives of Make in India :-

→ मेक इन इंडिया के उद्देश्य के तहत विदेश कंपनियों का ध्यान अपनी तरफ खींचना है ताकि विदेशी निवेश को बढ़ावा मिल सके।

→ इसके तहत सरकार ने कुछ क्षेत्रों में विदेशी निवेश सीमा में भी बढ़ोत्तरी की है जैसे कि रक्षा और ऑटोमोबाइल क्षेत्र में FDI सीमा को बढ़ाना ताकि विदेशी कंपनियाँ भारत में आ कर और निवेश करें, उत्पाद भारत में ही बने।

→ Make in objectives में ज्यादा से ज्यादा समान भारत में बने जिससे समान की कीमत कम हो और बाहर निर्यात होने पर देश की अर्थव्यवस्था को फायदा हो।

→ इस योजना के objectives के तहत भारत में ease of doing business को भी बढ़ावा देना है। जिसका मकसद पुरानी फाइलो वाले approval को बदलकर नए IT संचालित application को बढ़ावा देना है।

Make in India benifits :-

→ मुख्य उद्योग जिनके तहत शामिल किया है वो है ऑटोमोबाइल, संस्थान, आईटी तथा बीपीएम, विमानन उद्योग, औषधीय निर्माण, बिजली से संबंधित मशीन, खाद्य प्रसंस्करण, रक्षा विनिर्माण

IQAC
Co-ordinator
SPTC

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

अंतरिक्ष, टेक्सटाईल्स, कपड़ा उद्योग, बंदरगाह, चमड़ा, मीडिया और मनोरंजन, स्वास्थ्य, खनन, पर्यटन और मेहमानदारी, रेलवे, ऑटोमोबाईल्स, चमड़ा, नवीनीकरण ऊर्जा, बायोटेक्नोलॉजी, सड़क और हाइवे, इलेक्ट्रानिक निकाय और थर्मल ऊर्जा आदि इस योजना में Product के रूप में शामिल है।

→ मेक इन इंडिया objective के तहत आधुनिक और सुविधाजनक बुनियादी ढाँचे की उपलब्धता उद्योग की वृद्धि के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इस योजना के अंतर्गत देश के अंदर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, रेल लॉजिस्टिक्स कनेक्टविटी व. बिजली नेटवर्क फैलाने जैसे अन्य योजनाएं भी चलायी जा रही है ताकि निवेशकों को आकर्षित किया जा सके।

→ सरकार ने माना है कि 14 प्राथमिकता वाले क्षेत्र हैं जिन्हें 1 ट्रिलियन में विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन की आवश्यकता होगी जिसमें खनन और खनन, पर्यटन, पूंजीगत सामान और नवीकरणीय ऊर्जा शामिल है।

→ राज्य सरकार के स्तर पर लाइसेंसिंग नियमों को सुव्यवस्थित और तर्कसंगत बनाना श्रम कानून में संशोधन से लेकर ऑनलाइन रिटर्न, दाखिल करने तक जैसे कई बदलाव इस योजना के तहत किए गए है।

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Shahuri, Samastipur

Date: 15-05-2023
Day: Monday

(1.) विद्यालय का नाम :

राजकीय कन्या महरा, विद्यालय
समस्तीपुर।

(2.) प्रशिक्षु का नाम : अनामिका कुमारी

(3.) कक्षा : 05

(4.) कालांश : 1st

(5.) विषय : Math

(6.) प्रकरण : Rational No. and Irrational no.

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

01

(7.) विषय शिक्षक का नाम : सनारता कुमारी

(8.) स्वच्छता एवं स्वास्थ्य :

- विद्यालय परिसर की साफ-सफाई शिक्षकों के निगरानी में हो रही थी।

- वर्ग-कक्ष, office, खेलने की जगह भी बेहतर ढंग से साफ हो रही थी।

IQAC
...tor
... (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

(9) चेतना सत्र :-

- चेतना सत्र में सभी बच्चें अपने वर्ग के अनुसार तथा अपने लम्बाई के अनुसार खड़े थे।
- चेतना सत्र में प्रार्थना का गायन एक साथ सुंदर आवाज में हो रही थी।
- चेतना सत्र में राष्ट्रीय गीत गान भी होती थी।

(10) वर्ग-कक्ष का प्रबंधन :-

- विद्यालय में सभी वर्ग-कक्ष में उत्तम व्यवस्था थी।

बच्चों के लिए - Bench, desk

शिक्षकों के लिए - Chair, Table

पढ़ने के लिए — Chalk, duster and, Black board.

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

(11) अध्यापक :-

- अध्यापक पहले छात्रों का उपस्थिति विवरण दर्ज करती थी।
- अध्यापक उपस्थिति विवरण दर्ज करने के बाद बच्चों से थोड़ा बात-चीत करती हैं और बाद में पाठ पढ़ाना शुरू करती थी।

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhakuri, Samastipur

(12) छात्र :—

- सभी छात्राएँ पहले अध्यापक को अभिवादन करती फिर उनसे पढ़ाई की बातें करती।
- छात्राएँ अपनी समस्या को शिक्षिकाओं के सामने बहुत ही आसानी पूर्वक रख रही थी।
- सभी छात्रा अध्यापिका से गृह कार्य भी लिया करती है।

(13) मध्याह्न भोजन :—

- मध्याह्न भोजन रोजाना की तरह शिक्षकों के ही निगरानी में हुआ करती थी।

Monday

:— खिचड़ी हरी सब्जी युक्त, चोखा।

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

Anamika Kumari

मेंटर का हस्ताक्षर अवलोकनकर्ता का हस्ताक्षर

IQAC
Co-ordinator
SPTTCP, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

Date :- 16-05-2023
Day :- Tuesday

(i) विद्यालय का नाम :- राजकीय कन्या मध्य विद्यालय समस्तीपुर

(ii) प्रशिक्षु का नाम :- अनामिका कुमारी

(iii) कक्षा :- 8th

(iv) कालांश :- 1st

(v) विषय :- हिन्दी व्याकरण

(vi) प्रकरण :- समास

(vii) विषय शिक्षक का नाम :- बबीता कुमारी

(8) चेतना सत्र :-

- चेतना सत्र में प्रार्थना, हमारा संविधान, बिहार गीत छात्रा के द्वारा बहुत ही सुन्दर ढंग से हो रही थी।

- चेतना सत्र में राष्ट्रीय गान भी हुआ करती थी।

IQAC Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

(10) वर्ग- कक्ष का प्रबंधन :-

- विद्यालय में वर्ग- कक्ष का प्रबंधन बहुत ही सुंदर ढंग से किया गया है।
- विद्यालय में सभी कमरों में 2-2 window, 2-2 gate, तथा 2-2 fan भी उपलब्ध है।

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

(12) छात्र :-

- सभी छात्रा अपने शिक्षकों से मिल जुल कर आदर पूर्वक रहती थी।
- छात्रा पढ़ने के समय शांति पूर्वक पढ़ती थी।
- छात्रा गृह कार्य को भी शिक्षक द्वारा check कराती थी।

(13) मध्याह्न भोजन

- मध्याह्न भोजन शिक्षकों की निगरानी में होती थी।

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College

IQAC
Co-ordinator
SPTTC, Samastipur

मेंटर का हस्ताक्षर

Anamika Kumari

अवलोकनकर्ता का हस्ताक्षर

दिनांक 10-12-22 को मैंने अभिभावक गोष्ठी की जिसमें विद्यार्थियों के अभिभावक आये।

हमारे महाविद्यालय में अभिभावक तथा शिक्षक का गोष्ठी कराया गया जिसमें लगभग 65 अभिभावक उपस्थित हुए। इस गोष्ठी में निम्नलिखित बिंदुओं पर अभिभावक के साथ-साथ बात-चीत हुई। जिसमें मेरा यह प्रयास रहा कि उन्हें संतुष्ट करु।

बालिका का नाम - सुरुचि कुमारी
पिता का नाम - शैलेश झा
उम्र - 15 वर्ष
रहन-सहन - अच्छा
भोजन - अच्छा
शिक्षण
विषय - हिन्दी
अंग्रेजी
गणित
विज्ञान
संस्कृत
सामाजिक विज्ञान etc

उपरोक्त सभी विषयों पर अभिभावक के साथ बात-चीत किया और बच्चों में जो भी त्रुटियां थी उसे दूर करने का प्रयास किया। अगर अभिभावक और शिक्षक दोनों चाहे तो एक अच्छे शिक्षण का निर्माण हो सकता है दुनिया

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

के देशों में भारत अपने शिक्षा और संस्कार के लिए जाना जाता है। हमारे बच्चे दिन-प्रतिदिन शिक्षित होते जा रहे हैं लेकिन हम अपनी मूल विद्या खोते जा रहे हैं। एक समय ऐसा आएगा जब हमें अपना अतीत जानने के लिए इतिहास खंगालना होगा अतः हम शिक्षक और अभिभावक का मूल कर्तव्य है कि इन सारी चीजों पर नजर रखें।

PRINCIPAL
St Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

दिनांक 22-01-2023 को मैंने अभिभावक गोष्ठी की जिसमें विद्यार्थियों के अभिभावक आये।

हमारे विद्यालय में अभिभावक तथा शिक्षक का गोष्ठी कराया गया जिसमें लगभग 15 अभिभावक उपस्थित हुए। इस गोष्ठी में निम्नलिखित बिंदुओं पर अभिभावक के साथ बात-चीत हुई। इस गोष्ठी में मेरा यह प्रयास रहा कि मैं अभिभावक को संतुष्ट कर सकूँ।

बालिका का नाम — रूपा कुमारी
पिता का नाम — अनिल कुमार वर्मा
उम्र — 15
रहन-सहन — अच्छा
भोजन — अच्छा
शिक्षण विषय — अँग्रेजी
हिन्दी
गणित
विज्ञान
संस्कृत
सामाजिक विज्ञान etc

उपरोक्त सभी विषयों पर अभिभावक के साथ हमने बात-चीत किया और उन्हें बताया कि रूपा कुमारी को अँग्रेजी पढ़ने में परेशानी होती है। उसे घर में भी अंग्रेजी पढ़ते समय ध्यान देने की आवश्यकता है।

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhehuri, Samastipur

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

उसे घर पर पढ़ने के लिए उत्साहित करना होगा।

अतः हम शिक्षकों और अभिभावकों का यह कर्तव्य होना चाहिए कि हमें अपने बच्चों पर नजर रखने की आवश्यकता है। बच्चों के विकास हेतु जो भी आवश्यक काम है, उन्हें पूरा करने का काम हम शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावक का भी है। मैंने प्रयास किया कि उनकी समस्या का अच्छे से समाधान कर सकूं।

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Mahuri, Samastipur

दिनांक 20-02-23 को मैंने अभिभावक गोष्ठी की जिसमें विद्यार्थियों के अभिभावक आए।

हमारे विद्यालय में अभिभावक या शिक्षक का गोष्ठी कराया गया जिसमें लगभग 63 अभिभावक उपस्थित हुए। इस गोष्ठी में निम्नलिखित बिंदुओं पर अभिभावक के साथ बात-चीत हुआ। इस विचार-विमर्श में मेरी यह प्रयास रहा कि मैं अभिभावक को संतुष्ट कर सकूं।

बालक का नाम - अविलाश कुमार
पिता का नाम - अशोक कुमार
उम्र - 14 वर्ष
रहन-सहन - अच्छा
भोजन - अच्छा
शिक्षण विषय पर -
संस्कृत
हिंदी
अंग्रेजी
गणित
विज्ञान
सामाजिक विज्ञान etc

उपरोक्त सभी विषयों पर अभिभावक के साथ विचार-विमर्श की और अभिभावक को बताया कि अविलाश

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhahuri, Samastipur

IQAC
Co-ordinator
SPTTCB, Samastipur (Bihar)

संस्कृत पढ़ने में समस्या होती है उसे घर पर भी पढ़ने का मौका दिया जाए क्योंकि संस्कृत जानना भी बहुत आवश्यक होता है। बच्चे जब तक घर पर पढ़ने की कोशिश नहीं करेंगे तब तक उनके पढ़ने की क्षमता का विकास नहीं हो पायेगा।

अतः हम शिक्षकों और अभिभावकों का यह कर्तव्य है कि हम अपने बच्चों की पढ़ाई पर नजर रखें और उनके विकास हेतु जो भी आवश्यक काम है उन्हें पूरा करें।

IQAC
Co-ordinator
(Bihar)

PRINCIPAL
St. Paul Teachers' Training College
Birsinghpur
Jhatiuri, Samastipur